सखी ऋ मेरो बिगड़ गयो भरतार

सखी ऋ मेरो बिगड़ गयो भरतार,
भांग मोसे रोज़ घुटावे से ,
रोज घुटावे से ,
सखी ऋ मेरो बिगड़ गयो भरतार,
भांग मोसे रोज़ घुटावे से ,

कच्ची कच्ची भांग मंगावे दूध और चीनी मिलावे,
पी के रेहवे टली फिर भी नहीं बतावे से,
सखी ऋ मेरो बिगड़ गयो भरतार,
भांग मोसे रोज़ घुटावे से ,

सावन के मेले में भगतो के संग धूम मचावे,
पी के भंगियाँ आप साथ में सबे पिलावे से,
सखी ऋ मेरो बिगड़ गयो भरतार,
भांग मोसे रोज़ घुटावे से ,

रात दिना पी के आवे तन पे भस्म रमावे,
करे ताण्डव करे सखी दुनिया गबरावे से ,
सखी ऋ मेरो बिगड़ गयो भरतार,
भांग मोसे रोज़ घुटावे से ,

भोला मने सतावे रूठ के पर्वत यो चढ़ जावे,
विक्रम दीपा इसे मनावे को न माने ये,

सखी ऋ मेरो बिगड़ गयो भरतार,
भांग मोसे रोज़ घुटावे से ,

Source: https://www.bharattemples.com/sakhi-ri-mero-bigad-geto-bhartaar/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw